श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का अभिभाषण

दिनांक 19 अक्टूबर 2023, गुरुवार	समय : 6.00 PM	स्थान : शान्तिपुर, मोरानहाट

- असम की प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया जी
- राज्य सरकार के सांस्कृतिक विभाग के माननीय मंत्री श्री विमल बोरा जी
- राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के माननीय मंत्री श्री जोगेन मोहन जी
- मोरान के विधायक श्री चक्रधर गोगोई जी,
- श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गाड़ोदिया जी,
- पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेशाध्यक्ष श्री पंकज जालान जी
- आमंत्रित अन्य अतिथिगण
- पूजा समिति के सम्मानित सदस्यगण
- उपस्थित देवियों और सज्जनों !

नमस्कार!

सबसे पहले, आप सभी को दुर्गा पूजा की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। दुर्गोत्सव के इस पावन अवसर पर इस मनमोहक पूजा स्थल पर आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति अपना स्वर्ण जयंती समारोह मना रही है। आप सभी को समिति के 50 वर्ष पूर्ण होने की हार्दिक बधाई देता हूं। इस खुशी में मुझे शामिल करने के लिए मैं समिति को धन्यवाद देता हूं।

देवियों और सज्जनों,

दुर्गा पूजा हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण और प्रमुख त्योहार है। यह आध्यात्मिकता, सामाजिकता और सांस्कृतिकता का महान उत्सव है। इस उत्सव पर हम महिषासुर मर्दिनि मां दूर्गा की भक्तिभाव से पूजा और आराधना करते हैं।

दुर्गा पूजा त्योहार से कहीं अधिक है। यह भक्तों में अध्यात्म की नवीन ऊर्जा का संचार करता है। दुर्गोत्सव सच्चे मन और श्रद्धा से देवी दुर्गा की अराधना करने वाले मनुष्य के मन व बुद्धि को संसार की दौड़ में से लौट कर स्वयं में खोने का सुअवसर प्रदान करता है।

यह एक ऐसा उत्सव है, जो जाति, धर्म, ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाकर हम सभी को एकजुट होने की प्रेरणा देता है। लोगों में एकता एवं भाईचारा की भावना पैदा करता है।

पूजा समितियां इसका अनुपम उदाहरण है। पूजा समिति में शामिल सभी सदस्य एकजुट होकर दूर्गा पूजा के सफल आयोजन के लिए अपने सामर्थ्य के साथ काम करते हैं। वास्तव में यह हमें टीम वर्क का गुण सिखाती है।

मुझे खुशी है कि श्री श्री सार्वजनिक पूजा समिति भी पिछले 50 वर्षों से लगातार दूर्गा पूजा का सफलतापूर्वक आयोजन करती आ रही है। संभवतः समिति ने कई उतार-चढ़ाव भी देखें होंगे। इसके बावजूद समिति द्वारा दूर्गा पूजा का आयोजन बड़े धूमधाम से किया जा रहा है। यह एकता और आपसी सद्भाव से ही संभव है।

दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई की और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। यह त्योहार हमें नैतिकता, भलाई और सदाचार के रास्ते पर चलने की प्रेरणा भी देता है। इंसान की बुराई की राह पर हमेशा हार निश्चित होती है, प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में हमेशा सच्चाई के रास्ते पर चलकर अच्छे कर्म करने चाहिए।

दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक त्योहार ही नहीं, बल्कि कला और संस्कृति का उत्सव भी है। यह त्योहार कलाकारों को अपनी रचनात्मक कला के प्रदर्शन का भी अवसर प्रदान करते हैं।

मूर्तिकार देवी दुर्गा की सुंदर मूर्तियाँ महीनों की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ बनाते हैं। पंडालों में और उसके आसपास सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे संगीत, नृत्य प्रदर्शन, नाटक और सस्वर पाठ आयोजित किए जाते हैं। उत्साह और आनंद से भरे इस त्योहार के दौरान ढाक की ध्वनि, फूलों की महक और देवी की सुंदर मूर्तियों के दर्शन से हमारे दिलों में शांति और खुशी का एहसास होता है।

देवी दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं और नारी-शक्ति का दिव्य रूप भी हैं। माँ दुर्गा के नौ अलग-अलग रूप जीवन और प्रकृति के जुड़ाव के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का प्रतीक एवं मां दुर्गा का स्वरूप माना गया हैं। इसलिए समाज में हर नारी को सम्मान की नजर से देखा जाना चाहिए। आज की भारतीय नारी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज और देश को विकसित बनाने में अपना सराहनीय योगदान दे रही हैं।

आइए, इस पावन अवसर पर, हम एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लें, जहां महिलाओं को पहले से अधिक सम्मान मिले एवं राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में उनकी बराबर की भागीदारी सुनिश्चित हो।

मैं दुर्गा पूजा के इस शुभ अवसर पर, "मां दुर्गा" से प्रार्थना करता हूँ कि यह खुशी का त्योहार हम सबके जीवन में सुख, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आए और देशवासियों के बीच शांति, भाईचारे और एकता की भावना और सशक्त हो तथा हम सभी देश की प्रगति के लिए बढ़-चढ़कर काम करते रहें।

धन्यवाद !

जय हिंद !